International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
An International Quarterly bi-lingual Multidisciplinary Double Blind Open Access Peer Reviewed Refereed Journal
ISSN:2581-9925, Impact Factor (Cosmos: 7.555 & I2OR: 5.105), Volume 08, No. 03(I), July-September, 2026, pp. 248-251

रीवा जिले में रियल एस्टेट क्षेत्र के माध्यम से रोजगार सृजन का आर्थिक मूल्यांकन

डॉ. प्रतिमा बनर्जी[1] | मानसी शर्मा[2]

[1]प्राध्यापक वाणिज्य विभाग, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सतना (म.प्र.)।
[2]शोधार्थी वाणिज्य, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)।

*Corresponding Author: sharmamansee616@gmail.com

Citation: बनर्जी, प्रतिमा एवं शर्मा, मानसी (2026). रीवा जिले में रियल एस्टेट क्षेत्र के माध्यम से रोजगार सृजन का आर्थिक मूल्यांकन. International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science, 08(03(I)), 248–251. https://doi.org/10.62823/IJEMMASSS/8.3(I).9451

सार

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य रीवा जिले में रियल एस्टेट क्षेत्र के माध्यम से उत्पन्न रोजगार के आर्थिक प्रभावों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। रियल एस्टेट क्षेत्र केवल भूमि एवं भवन निर्माण तक सीमित न होकर बहुआयामी आर्थिक गतिविधियों का आधार है, जो श्रम, पूंजी, वित्त, परिवहन तथा सेवा क्षेत्र के विभिन्न उपक्षेत्रों को प्रभावित करता है। प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है, जिसके माध्यम से यह स्पष्ट किया गया है कि जिले में रियल एस्टेट गतिविधियों के विस्तार से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के रोजगार अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। निर्माण कार्यों में अकुशल एवं कुशल श्रमिकों, इंजीनियरों, ठेकेदारों तथा आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े व्यक्तियों को व्यापक स्तर पर रोजगार प्राप्त हुआ है। साथ ही, बैंकिंग, बीमा, रजिस्ट्री सेवाएं तथा संपत्ति दलाली जैसे सहायक क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसरों का विस्तार हुआ है। शहरीकरण की तीव्र गति एवं आधारभूत संरचना के विकास ने इस क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाया है। यद्यपि इस क्षेत्र में असंगठित श्रम, रोजगार की अस्थिरता तथा नीतिगत जटिलताएं प्रमुख चुनौतियों के रूप में विद्यमान हैं। अध्ययन निष्कर्षतः यह इंगित करता है कि यदि उचित नीति समर्थन, वित्तीय सुलभता एवं नियामक सुधार सुनिश्चित किए जाएं, तो रियल एस्टेट क्षेत्र रीवा जिले में रोजगार सृजन का एक प्रभावी एवं स्थायी माध्यम सिद्ध हो सकता है।

शब्दकोशः *रियल एस्टेट, रोजगार सृजन, आर्थिक विकास, निर्माण क्षेत्र, शहरीकरण, निवेश, रीवा जिला।*

प्रस्तावना

रियल एस्टेट क्षेत्र आधुनिक अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ है, जो न केवल भौतिक अवसंरचना के निर्माण में योगदान देता है, अपितु व्यापक आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का आधार भी प्रदान करता है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में इस क्षेत्र की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह निवेश, उत्पादन तथा रोजगार सृजन के मध्य एक सशक्त कड़ी के रूप में कार्य करता है। भारत में तीव्र गति से बढ़ते शहरीकरण एवं जनसंख्या विस्तार के परिणामस्वरूप रियल एस्टेट क्षेत्र का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है।

मध्यप्रदेश के रीवा जिले में भी विगत वर्षों में रियल एस्टेट गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह क्षेत्र पारंपरिक रूप से कृषि प्रधान रहा है, किन्तु वर्तमान में शहरी विस्तार, आवासीय कॉलोनियों का विकास, वाणिज्यिक परिसरों का निर्माण तथा आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन के कारण आर्थिक संरचना में

* *Copyright © 2026 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है। इस परिवर्तन ने भूमि उपयोग की प्रकृति को परिवर्तित करने के साथ–साथ स्थानीय श्रम बाजार में भी नई संभावनाओं का सृजन किया है।

रियल एस्टेट क्षेत्र की एक प्रमुख विशेषता इसकी द्वैध प्रकृति है, जिसमें यह श्रम–प्रधान एवं पूंजी–प्रधान दोनों ही रूपों में कार्य करता है। निर्माण कार्यों में अकुशल, अर्धकुशल एवं कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है, जबकि उच्च स्तर पर इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, वित्तीय प्रबंधन एवं विपणन सेवाओं में भी रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं। इस प्रकार यह क्षेत्र प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के रोजगार सृजन में योगदान करता है।

रीवा जिले में रियल एस्टेट के विस्तार का प्रमुख कारण जनसंख्या वृद्धि, ग्रामीण–शहरी पलायन तथा आधारभूत सुविधाओं की मांग में वृद्धि है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार की खोज में ग्रामीण जनसंख्या का शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवाह आवासीय मांग को बढ़ाता है, जिससे इस क्षेत्र में निवेश की प्रवृत्ति भी बढ़ती है।

इसके बावजूद इस क्षेत्र में रोजगार की गुणवत्ता, स्थायित्व एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित चुनौतियां विद्यमान हैं। अधिकांश श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं, जिससे उन्हें न्यूनतम सुरक्षा एवं स्थिर आय का अभाव रहता है। साथ ही, भूमि अधिग्रहण, वित्तीय संसाधनों की सीमित उपलब्धता एवं नियामक प्रक्रियाओं की जटिलता भी इसके विकास में बाधक तत्व हैं। अतः प्रस्तुत अध्ययन का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह रियल एस्टेट क्षेत्र के माध्यम से रोजगार सृजन के आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करते हुए क्षेत्रीय विकास में इसकी भूमिका को स्पष्ट करता है।

शोध का उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य रीवा जिले में रियल एस्टेट क्षेत्र के माध्यम से उत्पन्न रोजगार के आर्थिक आयामों का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन इस तथ्य की जांच करता है कि रियल एस्टेट गतिविधियां किस प्रकार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन में योगदान करती हैं तथा इसका स्थानीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार शोध अध्ययन हेतु निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है, जो इस प्रकार है –

- रियल एस्टेट क्षेत्र में रोजगार के स्वरूप एवं संरचना का विश्लेषण करना।
- रोजगार सृजन में इस क्षेत्र के आर्थिक योगदान का मूल्यांकन करना।
- रोजगार वृद्धि की संभावनाओं एवं चुनौतियों का अध्ययन करना।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में द्वितीयक आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इसके अंतर्गत सरकारी प्रकाशनों, आर्थिक सर्वेक्षणों, जनगणना रिपोर्टों, रियल एस्टेट से संबंधित साहित्य एवं शोध पत्रों का विश्लेषण किया गया है। आंकड़ों का संकलन मुख्यतः राज्य एवं स्थानीय प्रशासनिक अभिलेखों तथा निर्माण क्षेत्र से संबंधित रिपोर्टों के माध्यम से किया गया है। अध्ययन में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धति को अपनाया गया है। संकलित आंकड़ों को सारणीबद्ध कर प्रतिशत के आधार पर विश्लेषित किया गया है, जिससे रोजगार सृजन की प्रवृत्तियों का वैज्ञानिक आकलन संभव हो सका है।

विश्लेषण

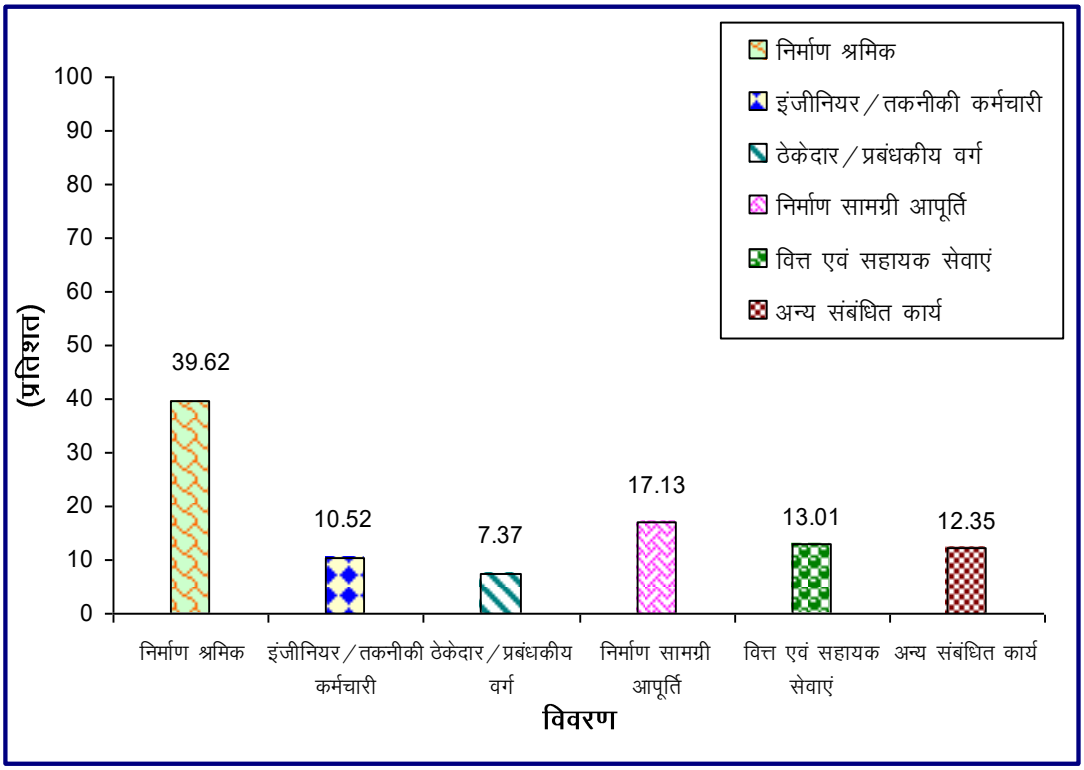
रीवा जिले में रियल एस्टेट क्षेत्र का विस्तार रोजगार सृजन का एक महत्वपूर्ण कारक सिद्ध हुआ है। निर्माण गतिविधियों में अकुशल श्रमिकों की व्यापक भागीदारी के साथ–साथ तकनीकी एवं प्रबंधकीय स्तर पर भी रोजगार के अवसरों में वृद्धि देखी गई है। प्रत्यक्ष रोजगार के अंतर्गत निर्माण श्रमिक, इंजीनियर एवं प्रबंधकीय वर्ग सम्मिलित हैं, जबकि अप्रत्यक्ष रोजगार में निर्माण सामग्री आपूर्ति, परिवहन, वित्तीय सेवाएं एवं विपणन से जुड़े क्षेत्र शामिल होते हैं। निवेश में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्थानीय अर्थव्यवस्था में पूंजी प्रवाह बढ़ता है, जिससे अन्य

क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं। इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र में रियल एस्टेट क्षेत्र में रोजगार का वितरण सारणी क्रमांक–01 में प्रस्तुत किया गया है, जो इस प्रकार है –

सारणी 1: अध्ययन क्षेत्र में रियल एस्टेट क्षेत्र में रोजगार का वितरण

क्रमांक	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	निर्माण श्रमिक	3187	39.62
2	इंजीनियर/तकनीकी कर्मचारी	846	10.52
3	ठेकेदार/प्रबंधकीय वर्ग	593	7.37
4	निर्माण सामग्री आपूर्ति	1378	17.13
5	वित्त एवं सहायक सेवाएं	1046	13.01
6	अन्य संबंधित कार्य	991	12.35
	कुल योग	**8041**	**100.00**

स्रोत– मध्यप्रदेश शासन, मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण 2024–25, वित्त विभाग, भोपाल, 2025



आरेख 1: अध्ययन क्षेत्र में रियल एस्टेट क्षेत्र में रोजगार का वितरण

उपरोक्त सारणी एवं आरेख समंकों से स्पष्ट होता है कि रोजगार का सर्वाधिक भाग निर्माण श्रमिकों में केंद्रित है, जिसका योगदान 39.62 प्रतिशत है, जो रियल एस्टेट क्षेत्र की श्रम–प्रधान प्रकृति को दर्शाता है। निर्माण सामग्री आपूर्ति का योगदान 17.13 प्रतिशत है, जो सहायक उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करता है। वित्त एवं सहायक सेवाओं का योगदान 13.01 प्रतिशत तथा अन्य कार्यों का 12.35 प्रतिशत है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह क्षेत्र बहुआयामी आर्थिक गतिविधियों को प्रेरित करता है। तकनीकी वर्ग का योगदान 10.52 प्रतिशत एवं प्रबंधकीय वर्ग का 7.37 प्रतिशत है, जो उच्च कौशल रोजगार की सीमित भागीदारी को दर्शाता है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष प्रतिपादित किया गया है कि रीवा जिले में रियल एस्टेट क्षेत्र रोजगार सृजन का एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी माध्यम के रूप में उभरकर सामने आया है। इस क्षेत्र की बहुआयामी संरचना के कारण यह न केवल प्रत्यक्ष रूप से निर्माण गतिविधियों के माध्यम से श्रमिकों, तकनीकी कर्मचारियों एवं प्रबंधकीय वर्ग को रोजगार प्रदान करता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से निर्माण सामग्री आपूर्ति, वित्तीय सेवाओं, परिवहन एवं विपणन जैसे सहायक क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसरों का विस्तार करता है। अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश वृद्धि के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था में पूंजी प्रवाह तीव्र होता है, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों में गतिशीलता आती है। हालांकि, रोजगार की संरचना का विश्लेषण यह इंगित करता है कि इस क्षेत्र में निम्न एवं मध्यम कौशल आधारित रोजगार का प्रभुत्व अधिक है, जबकि उच्च कौशल आधारित रोजगार की भागीदारी अपेक्षाकृत सीमित है। इसके अतिरिक्त असंगठित श्रम, रोजगार की अस्थिरता एवं नीतिगत जटिलताएं इस क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियां हैं, जो इसकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधा उत्पन्न करती हैं। अतः आवश्यक है कि सरकार एवं संबंधित संस्थाएं नीतिगत सुधार, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा वित्तीय सुलभता के माध्यम से इस क्षेत्र को सुदृढ़ बनाएं। समग्रतः, रियल एस्टेट क्षेत्र रीवा जिले में सतत रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार सिद्ध हो सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. भारत सरकार, आर्थिक सर्वेक्षण, नई दिल्ली, 2023
2. आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, वार्षिक प्रतिवेदन, नई दिल्ली, 2022
3. शर्मा, आर.के., रियल एस्टेट अर्थशास्त्र, जयपुर, 2021
4. सिंह, ए., भारत में शहरी विकास, दिल्ली, 2020
5. भारत की जनगणना, जनसंख्या प्रतिवेदन, 2011
6. मध्यप्रदेश शासन, सांख्यिकी सार, भोपाल, 2022
7. वर्मा, एस., निर्माण उद्योग एवं रोजगार, मुंबई, 2019.

❑❑❑